निधि समर्पण के प्रेरक अनुभव 4
भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र 10
जनमानस अनु. 370 हटाने के समर्थन में 12
नीमड़ा नरसंहार 14

पाक्षिक

सहयोग राशि ₹ 5

पाथेय कण

माघ शुक्ल पंचमी, युगाब्द 5122, वि.2077,16 फरवरी, 2021

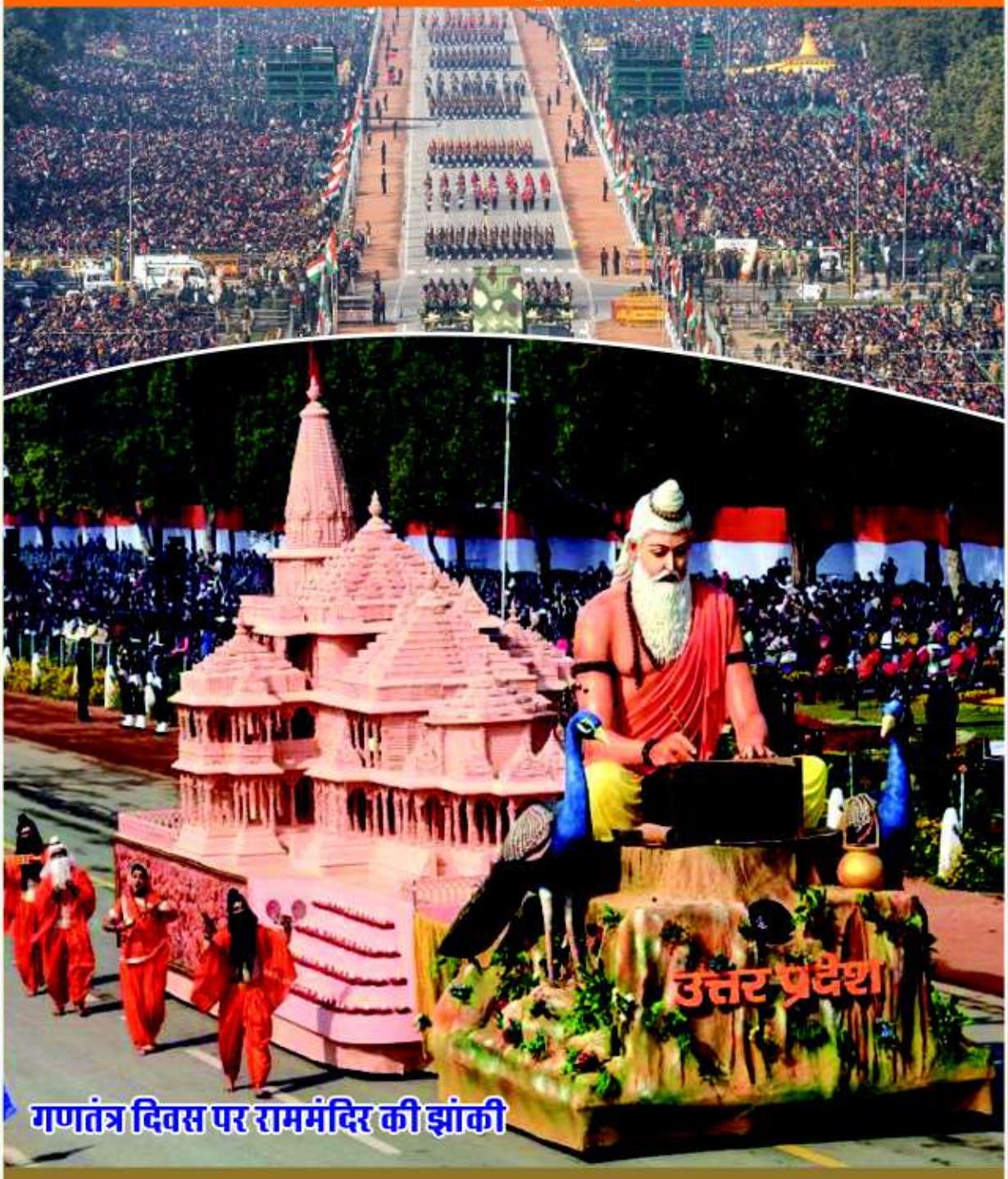

गणतंत्र दिवस पर राममंदिर की झांकी

patheykan@gmail.com www.patheykan.in @patheykan1

अंक संदर्भ : 1 व 16 जनवरी,2021

वास्तविक स्थिति का ज्ञान कराया

मुझे पाथेय कण पढ़ने की विशेष उत्सुकता रहती है। एक-दो दिन पहले से ही मैं इंतजार में रहता हूँ। 1 जनवरी के अंक में 'भटकता किसान आंदोलन' लेख अच्छा लगा। वास्तविक स्थिति का ज्ञान कराना 'पाथेय कण' का मुख्य उद्देश्य है। इसके अलावा रामत्व जागरण, बाल प्रश्नोत्तरी, भोजन सूत्र ये सभी ज्ञानवर्धक हैं।

● **बृजभूषण शर्मा**, जवाहरनगर, भरतपुर

भटकता किसान आंदोलन

1 जनवरी के अंक में 'भटकता किसान आंदोलन' नाम से जो लेख दिया गया है, इससे अन्य प्रिंट मीडिया के मुकाबले हम समझ सकते हैं कि किसान आंदोलन में असलियत में चल क्या रहा है तथा कैसे अराष्ट्रवादी लोगों के द्वारा इसे हाईजैक कर लिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निधि समर्पण महाअभियान के बारे में जो विस्तृत जानकारी दी गयी है वह पाठकों तथा समाज को मंदिर निर्माण के कार्य में सहयोग हेतु निश्चित ही प्रेरणा प्रदान करने वाली है।

● **प्रमोद कुमार गौड़**,कोटा

महत्वपूर्ण जानकारी

16 जनवरी के अंक में प्रकाशित लेख 'देश का प्रथम प्रधानमंत्री किसे मानेंगे' में मिली जानकारी कि 1943 में स्वतंत्र भारत की सरकार का गठन हुआ जिसके प्रधानमंत्री नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बने, काफी महत्वपूर्ण लगी।

● **वी.अंकित**, भवानीमंडी, झालावाड़

अप्रतिम योद्धा

पाथेय का 16 जनवरी का अंक नेताजी के बारे में जानकारी बढ़ाने वाला था। भारत सरकार ने नेताजी की याद में इस दिवस को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने व अंडमान निकोबार द्वीप को 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस' द्वीप का नामकरण का निर्णय प्रसन्नता का विषय है।

● **पवन राजेन्द्र गौड़**, गच्छीपुरा, नागौर

प्रतियोगी परीक्षाओं पर सामग्री

जनवरी का अंक पढ़ा। अगले अंक में प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले कुछ प्रश्न व्याख्या सहित दें तो छात्र लाभान्वित होंगे।

● **मोती सिंह**, बाड़मेर

निर्णय स्वागत योग्य

16 जनवरी के अंक में आवरण पृष्ठ व प्रस्तुत आलेख प्रेरणादायी हैं। नई चित्रकथा 'राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस' के क्रमिक प्रकाशन का निर्णय स्वागत योग्य है।

● **उमरावलाल वर्मा**,
कोटपूतली,जयपुर

अच्छी बातें पढ़ने को मिलती हैं

पाथेय कण पत्रिका में अच्छी बातें लिखी जाती हैं। पत्रिका पढ़ कर देश के हालात पर सही जानकारी मिलती है। मेरा निवेदन है कि राष्ट्रीय भावना से जुड़ी इस पत्रिका को और भी बड़ा आकार देना चाहिए।

● **सोनाराम**, सांचोर,जालोर

सूचना

पाथेय कण का सदस्यता शुल्क
(वार्षिक ₹ 150, व 15 वर्षीय ₹ 1500)
निम्नानुसार जमा करा सकते हैं-

⌘ **Paytm से Vallet में**
मोबाइल नं. 7976582011 पर

⌘ **Paytm या किसी भी Payment app से खाते में स्थानान्तरण**

बैंक का नाम	– बैंक ऑफ बड़ौदा
खाते का नाम	– पाथेय कण संस्थान
खाता संख्या	– 01130100007568
IFSC CODE	- BARB0MALJAI

⌘ **Online या NEFT से**
बैंक व खाते का नाम तथा
खाता संख्या-उपरोक्त
PAN - AAATP2508C
सदस्यता शुल्क जमा कराने के पश्चात्
उसका स्क्रीन शॉट या सूचना WhatsApp
द्वारा 79765 82011 पर अवश्य भेजें।

हमें लिखें

पाथेय कण में प्रकाशित किसी समाचार/लेख या अन्य सामग्री पर आपकी प्रतिक्रिया/टिप्पणी या कोई सुझाव अथवा प्रकाशित सामग्री के विषय पर अपने विचार हमें व्हाट्सएप या मेल करें अथवा डाक से भेजें।

WhatsApp 79765 82011
patheykan@gmail.com

पाथेय कण को आपका सहयोग चाहिए

क्या आप राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर लिखते रहते हैं? क्या आप राष्ट्र को प्रभावित करने वाले किसी समाचार की तह में जाकर जानकारी लेते हुए उस पर एक 'न्यूज स्टोरी' बनाकर हमें भेज सकते हैं।

– सम्पादक –
मो. 9414312288

पाक्षिक
पाथेय कण

माघ शुक्ल पंचमी
युगाब्द 5122, वि.2077
16 फरवरी, 2021
वर्ष 36 : अंक 18

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

सहयोग
ज्ञानचंद गोयल

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
[illegible] ₹1[illegible]0/-
पन[illegible] ₹1[illegible]00/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राज.)
मो. 9929722111

अंक नहीं मिलने की सूचना अपने नाम व पते सहित व्हाट्सएप (WhatsApp) द्वारा निम्नलिखित मो.न. पर दें।
7976582011

E-mail: patheykan@gmail.com
Website : www.patheykan.in
Twitter : @patheykan1

सम्पादकीय

किसान आंदोलन

किसान नेतृत्व एवं सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। किसान नेता तीनों केन्द्रीय कृषि कानून रद्द कराने पर अड़े हैं। पूरा विपक्ष किसानों के साथ खड़ा हो गया है। इन कानूनों को काला कानून कहा जा रहा है। कृषि मंत्री ने संसद में कहा है कि विपक्ष या किसान नेता यह तो बताएं कि इन कानूनों में काला क्या है? किसान व विपक्ष कृषि मंत्री के प्रश्न का जवाब नहीं दे रहे। यह जरूर कहते हैं कि इन कानूनों के लागू रहने पर किसान की जमीन उद्योगपति छीन लेंगे। सरकार कहती है कि बताओ तो सही, कहां लिखा है ऐसा। बल्कि कानूनों में तो लिखा यह है कि 'संविदा खेती' में यदि किसान की फसल बर्बाद हो जाती है तो भी किसान की जमीन उसी की ही रहेगी, जो नुकसान होगा वह दूसरे पक्ष का ही होगा। किसान नेता इस पर चुप रहते हैं। पंजाब तथा महाराष्ट्र में इसी तरह का कानून पहले से ही बना हुआ है। पंजाब के कानून में तो किसान को सजा का भी प्रावधान है जबकि केन्द्रीय कानून में किसान को सजा का कोई प्रावधान नहीं है। पंजाब का कठोर कानून किसान नेतृत्व को स्वीकार है। परन्तु वैसा ही कानून केन्द्र की मोदी सरकार बनाए यह स्वीकार्य नहीं है। कितनी विचित्र बात है! 10 फरवरी को लोकसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कानूनों में एक विकल्प दिया गया है, जो चाहे वह अपनाये, न चाहे तो पुरानी व्यवस्था के अनुसार चले। यानि सभी किसानों को ये कानून मानने आवश्यक नहीं हैं। फिर भी मांग वही, कि तीनों कानून रद्द करो। 'पंचों की राय सिर माथे, परनाला तो यहीं गिरेगा।'

अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र – तब शक पैदा होता है कि किसान नेतृत्व का कोई छिपा एजेंडा तो नहीं है? कुछ परतें खुल रही हैं। खालिस्तानी नेता मो धालीवाल कहते दिखाई दे रहे हैं कि तीनों कानून रद्द कर दिए तो भी आन्दोलन खत्म नहीं होगा, बल्कि यह तो जंग की शुरूआत होगी। अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र के दस्तावेज भी ग्रेटा के ट्वीट से सामने आ गए हैं। उससे स्पष्ट हो गया कि 26 जनवरी की हिंसा पूर्व नियोजित थी। किसान नेताओं ने कहा– हिंसा करने वालों को गिरफ्तार करो, वे किसान नहीं है, उन पर कार्रवाई करो, और जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर रही है तो वे ही किसान नेता कह रहे हैं जिन्हें गिरफ्तार किया है उन्हें रिहा करो। अजीब कशमकश है। किसान नेतृत्व एवं विपक्ष अपनी विश्वसनीयता पूरी तरह खो चुके हैं।

राममंदिर का पुनर्निर्माण – अच्छी बात यह हो रही है कि श्रीराम जन्मभूमि पर बनने वाले मंदिर के लिए राजा से लेकर नितान्त गरीबी में जी रहे समाज-बन्धु तक, सभी वर्गों के, सब लोग, स्वयं आगे बढ़कर अपनी समर्पण निधि दे रहे हैं। पिछले दो अंकों से ऐसे संस्मरण व अनुभव पाथेय कण में लगातार प्रकाशित हो रहे हैं। यह मन को प्रसन्न करने वाला हैं। यह समाज की एकता को प्रकट करने वाला है। समाज में रामत्व के जागरण का प्रतीक है। अब सामाजिक समरसता और समाज के संगठन कार्य को अधिक अनुकूलता मिलने वाली है। यह तो प्रभु श्रीराम का ही कार्य है। ठीक ही कहा जा रहा है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर का पुनर्निर्माण राष्ट्र के पुनर्निर्माण का प्रारंभ है। ■

ज्ञान गंगा

दाता लघुरपि सेव्यो भवति, न कृपणो महानपि समृद्ध्या।
कूपोऽन्तः स्वादुजलः प्रीत्यै लोकस्य, न समुद्रः।।

उदार हृदय वाला छोटा व्यक्ति भी सेवा करने के योग्य होता है, परन्तु धन-सम्पत्ति का कंजूस स्वामी सेवा का अधिकारी नहीं होता। मीठे जल वाला कुआँ लोगों को अच्छा लगता है, परन्तु अथाह जल का स्वामी खारा सागर किसी को नहीं भाता।

(पञ्च./मित्रसम्प्राप्ति/74)

श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान

भव्य मंदिर निर्माण हेतु राष्ट्रव्यापी अभियान जोरों पर

टोलियाँ बनाकर अधिकाधिक जन-सहभागिता में जुटे रामभक्त

रामभक्तों की टोलियाँ गली, मोहल्ले, गांव, ढाणी, दूर-दराज तक 15 जनवरी से चल रहे निधि समर्पण अभियान के अंतर्गत राममंदिर निर्माण में जन-जन की सहभागिता हेतु जुटी हुई हैं। आम और खास, सभी प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर निर्माण के यज्ञ में अपनी आहूतियाँ दे रहे हैं। रामजी के काज में लोग अधिकाधिक सहयोग दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं को इस दौरान आए प्रेरक और उत्साहवर्धन करने वाले अनुभव-संस्मरणों को यहां संजोया जा रहा है।

अपेक्षा से कई गुणा अधिक समर्पण

बहरोड़ में सेवानिवृत अध्यापिका श्रीमती विद्यारानी यादव से जब मंदिर निर्माण हेतु निधि समर्पण की बात की तो उन्होंने एक चेक पर हस्ताक्षर कर बेटे से राशि भरने को कहा। बेटे ने पूछा- कितनी भरनी है? 500 या 1 हजार रु.? माँ का जवाब मिला, ''बेटा राम मंदिर का विषय है, इसलिए मैं तो कम से कम एक माह की पेंशन 40 हजार रुपये देने की सोच रही थी। तो, बेटे ने चेक पर 51 हजार की राशि लिखकर चेक समर्पित किया। बेटा पिंकी यादव भी समाज सेवा में लगे रहते हैं, ये संस्कार मां-परिवार से ही मिले होंगे।

बहिन ने कहा- मैं पुरानी स्कूटी ले लूंगी, आप समर्पण अवश्य करें

जयपुर के विद्याधर नगर निवासी संदीप शर्मा इस उहापोह में थे कि कितनी राशि का समर्पण राममंदिर हेतु करूं, क्योंकि उन्होंने अपनी बहिन को उसके जन्मदिन पर एक नई स्कूटी देने का वादा किया था। बहिन को जब भाई के इस असमंजस का पता चला तो बोली, 'भैया मैं स्कूटी तो सेकेंड-हैंड (पुरानी) ले सकती हूँ, आप राममंदिर के लिए अपना समर्पण अवश्य करें।

झोंपड़ी में रह रहे पोखरराम ने कहा- इच्छा तो भगवान पर सब कुछ न्यौछावर करने की है...

जयपुर के विद्याधर नगर में सड़क के किनारे एक छोटी सी झोंपड़ी में अपने परिवार के साथ रह रहे पोखरराम ने राममंदिर के लिए समर्पण की इच्छा प्रकट कर कहा- मेरी इच्छा तो भगवान पर सब कुछ न्यौछावर करने की है। जितनी मेरी श्रद्धा (क्षमता) है, उससे ज्यादा करना चाहता हूँ। यह कह कर उन्होंने कार्यकर्ताओं को समर्पण निधि भेंट की।

झोंपड़ी में रहने वाली वृद्धा ने भी समर्पण किया

भुज (गुजरात) में जब विहिप के कार्यकर्ता निधि संग्रहण हेतु गांव से निकल रहे थे तो एक झोंपड़ी से आवाज आई-बेटा रुको। तभी एक वृद्धा बाहर आई और कहा कि मैं तो सबरी की तरह न जाने कब से इस पल का इंतजार कर रही थी। उन्होंने मंदिर निर्माण हेतु ₹ 800 दिए।

हमें अधिक देना है, क्या आप कल आ सकते हैं?

चित्तौड़गढ़ के वाल्मीकि समाज के कई परिवारजनों ने कहा, आज हाथ में ₹ 100 ही हैं,परन्तु हमें ज्यादा देना है, आप कल आ सकते हैं क्या? दूसरे दिन जाने पर दो परिवारों ने एक-एक हजार तथा अन्य दो परिवारों ने पांच-पांच सौ रुपयों का समर्पण किया।

कुछ ऐसा ही अनुभव निधि समर्पण संग्रह टोली को **जयपुर के हरनाथपुरा** में गाड़िया लुहार परिवारों के साथ आया।

धार्मिक यात्रा के लिए जुटाये पैसे भी रामजी के लिए

जयपुर के झोटवाड़ा-साउथ कॉलोनी निवासी एक सज्जन ने आवाज देकर निधि समर्पण टोली को घर बुलाया तथा

राम जन्मभूमि आंदोलन हिंदू समाज को जोड़ने वाला- स्वांत रंजन

राममंदिर निर्माण के लिए चलाया जा रहा 'निधि समर्पण अभियान' श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन की तरह सम्पूर्ण हिन्दू समाज को जोड़ने वाला सिद्ध होगा। यह कहना है रा.स्व.संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्री स्वांत रंजन का। उन्होंने जयपुर में पांचजन्य पत्रिका के 'श्रीराम जन्मभूमि विशेषांक ' का विमोचन करने के अवसर पर कहा कि श्रीराम मंदिर सैकड़ों साल की तपस्या का फल है।

गुफावासी साधु ने दिए एक करोड़

ऋषिकेश में नीलकंठ–पैदल मार्ग पर एक गुफा में छः दशकों से रह रहे हैं– संत स्वामी शंकरदास। टाट वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध इन संत ने प्रभु राम के मंदिर निर्माण हेतु एक करोड़ रु. दिए। उन्होंने यह राशि गुफा में उनसे मिलने आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा उन्हें भेंट दिये गए धन को बैंक में जमा कर जुटाई थी। उन्होंने कहा, यह राशि श्रीराम के मंदिर निर्माण हेतु ही वे इकट्ठा कर रहे थे।

बच्चों ने उकेरे– 'मन के राम'

उदयपुर में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने अपनी कूंची से 'मन के राम' बनाकर उनमें रंग भरे। यह प्रतियोगिता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र निधि समर्पण समिति द्वारा आयोजित की गई, जिसमें कई विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया।

₹ 27 हजार का चेक एवं नकद भी 18 हजार रु. दिये। कार्यकर्ताओं ने अलग नकद राशि का कारण पूछा तो कहा, अभियान की जानकारी मिलते ही चेक भर कर रख लिया था। ये 18 हजार रु. तो मां वैष्णो देवी की यात्रा के लिए अलग से जोड़े थे, परन्तु अब जब श्रीरामजी के मंदिर निर्माण में सहयोग करने का अवसर आया है तो यह राशि भी इसी में लगने दीजिए, यात्रा बाद में कर लूँगा।

भीलवाड़ा के राम भक्त ने दिए 1 करोड़ से ज्यादा

भीलवाड़ा में एक रामभक्त ने 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रु. का समर्पण किया।

सत्संग में मिली भेंट से किया समर्पण

चित्तौड़ के बड़ाखेला चौराहे पर जैसे तैसे रहने की व्यवस्था कर रहने वाले अमर सिंह थोड़े विक्षिप्त भी हैं। सत्संग वगैरह में जाकर पेट भरते हैं। उन्होंने भी सत्संग से मिलने वाली भेंट को इकट्ठा कर प्रभु राम के लिए ₹ 500 संग्रह टोली को बुलाकर दिए।

बच्चों में भी है उत्साह

उदयपुर के मोती चौहट्टा निवासी आठवीं के छात्र माधव सोनी ने अपना गुल्लक निधि समर्पण समिति के कार्यकर्ताओं को सौंप दिया। **बारां** की 5 वर्षीय बालिका तेजस्वी ने अपने जन्मदिन पर रामभक्तों को अपना गुल्लक फोड़ कर संपूर्ण राशि मंदिर निर्माण हेतु दी।

शफी मोहम्मद ने समर्पित किये ₹ 11,000

प्रतापगढ़ के पूर्व जिलाधीश व संस्कृत के विद्वान श्री शफी मोहम्मद कुरैशी ने मानसरोवर के संघचालक श्री मानसिंह चौहान को राममंदिर हेतु ₹ 11,000 का चेक समर्पित किया। श्रीमद्भगवत गीता उन्हें कंठस्थ है।

ढांचा गिरने के दिन से ही रामजी के मंदिर निर्माण हेतु पैसा जोड़ रही थी...

सोनभद्र नगर (काशी) में राममंदिर निर्माण निधि समर्पण हेतु जनजागरण के लिए प्रभात फेरी निकल रही थी। प्रभात फेरी जब सीता देवी के घर के सामने से निकली तो उन्होंने कार्यकर्ताओं से समर्पण राशि ले जाने का आग्रह किया।

कार्यकर्ता फेरी के बाद जब उनके घर पहुँचे तो देखा कि वह मिट्टी के बर्तन–दीपक आदि की एक छोटी सी दुकान चलाती है। उसने कहा–'जिस दिन ढांचा गिरा, उस दिन मन में विश्वास उत्पन्न हो गया था कि मेरे जीते जी मंदिर अवश्य बनेगा। उसी दिन से प्रतिदिन एक या दो रु. के सिक्के मंदिर निर्माण हेतु इकट्ठा करने लगी। इस प्रकार कुल 9,300 रुपये एकत्र हो गये थे। इसमें उसके पुत्र उमेश ने कुछ राशि और मिलाकर 11 हजार रु. कार्यकर्ताओं को समर्पित किए।

किन्नर समाज का लगातार बढ़ता समर्पण

समाज की **मेवाड़ गादीपति** किरणबाई किन्नर ने ₹ 3 लाख 21 हजार का समर्पण किया। उन्होंने कहा कि किन्नर प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हैं। जब श्रीराम वनवास गए थे, तब किन्नर उनके इंतजार में 14 वर्षों तक तमसा नदी के तट पर बैठे रहे। श्रीराम ने अपने राज्याभिषेक में उन्हें ससम्मान आमंत्रित किया था। **मेड़ता** की किन्नर ग्यारसी बाई परिवार ने ₹ 11,111 भेंट किये।

चारभुजा की किन्नर ममता ने 1 लाख 15 हजार रुपयों

हमारी धोली (बकरी) का भी कूपन चाहिए

बालोतरा में कीरों की बस्ती में रहने वाले रमेश भाई ने अपना, पत्नी तथा तीनों बच्चों का कूपन तो लिया, अपनी बकरी 'धोली' के नाम का भी एक कूपन लिया क्योंकि वे बकरी धोली को अपने परिवार का सदस्य ही मानते हैं।

कोटा के बापू नगर निवासी घुमन्तु बावरी समाज की एक बच्ची ने भी आग्रह कर अपने नाम का कूपन लिया।

का समर्पण किया। **कुम्हेर** की किन्नर राजकुमारी ने भी 1 लाख 1 हजार की राशि दी। **सांवलिया जी** के किन्नर समाज अखाड़ा की ओर से आरती ने ₹ 51 हजार की निधि मंदिर निर्माण हेतु समर्पित की।

पुष्कर किन्नर समाज की सपना बाई ने ₹ 51हजार का समर्पण किया। **बाड़मेर** की बबिता बाई ने 5 लाख 11 हजार की निधि राममंदिर हेतु दी। **खाजूवाला** निवासी सीमाबाई ने भी ₹ 5,100 समर्पित किए।

आइये ना, हमारे घर भी

जयपुर के तारानगर (झोटवाड़ा) में निधि समर्पण समिति के सदस्य समर्पण राशि संग्रह कर रहे थे, तभी एक सज्जन गाड़ी से उतरकर आये और पूछा कि आप लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हैं क्या? राममंदिर के लिए धन संग्रह कर रहे हैं क्या? कार्यकर्ताओं द्वारा 'हाँ' कहने पर वे बोले, 'आप लोग हमारी तरफ नहीं आये?' उन्होंने अपने घर का पता बताया और कहा, 'मैं आप लोगों की प्रतीक्षा करूँगा।'

जब कार्यकर्ता उनके घर गये तो उन्हें देखते ही इस सज्जन ने अपनी पत्नी को आवाज लगाई, **'देख हमारे घर श्रीराम के दूत आये हैं।'**

उन्होंने 11 हजार का चेक देते हुए बहुत भावुक होकर कहा, ''हम आज धन्य हो गये।''

और विचार यह भी...

राम मंदिर के लिए मुझसे भी चंदा मांगा, मैंने नहीं दिया– कांग्रेसी नेता बंसल

जयपुर में 2 फरवरी को एक प्रेस कान्फ्रेंस में कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारी कोषाध्यक्ष पवन बंसल ने सगर्व घोषणा की है कि राममंदिर के लिए चंदे को लेकर मुझसे भी संपर्क किया गया था, परन्तु मैंने मना कर दिया।

बंसल ने अपने इस व्यवहार का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि मैं घर में हिन्दू हूँ, लेकिन बाहर सेकुलर।

(बंसल जी को यह भी बताना चाहिए था कि मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड आदि राज्यों में कांग्रेस नेताओं द्वारा राममंदिर हेतु निधि समर्पण के जो समाचार आ रहे हैं, उनको वे क्या कहेंगे– सेकुलर या साम्प्रदायिक?–संपादक)

वैसे बता दें कि जब बंसल अपना यह वक्तव्य दे रहे थे, उसी समय राजस्थान विश्वविद्यालय में कांग्रेस के विद्यार्थी संगठन– एनएसयूआई के कार्यकर्ता 'जयश्रीराम' का उद्घोष करते हुए विद्यार्थियों से अयोध्या के राममंदिर हेतु चंदा एकत्र कर रहे थे। वस्तुतः कांग्रेसी बड़ी दुविधा में हैं कि राम मंदिर के निर्माण में साथ दें या नहीं। कहीं ऐसा न हो कि 'माया मिली न राम' वाली स्थिति हो जाय।

भूरिया के बोल : 'राममंदिर के लिए पैसा इकट्ठा करने वाले शाम को दारू पीते हैं'

एक और कांग्रेस नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा वर्तमान में झाबुआ (झारखंड) के विधायक कांतिलाल भूरिया ने तो सभी मर्यादाएं तोड़ दीं। उनका कहना है कि भाजपा और आरएसएस वाले मंदिर निर्माण के लिए पैसा इकट्ठा कर शाम को दारू पी रहे हैं।

नोतरा से गुर्जर समाज ने जुटाई राममंदिर के लिए निधि

वागड़ क्षेत्र में किसी के यहां शादी, मकान निर्माण आदि में सहयोग करने के लिए 'नोतरा' का आयोजन किया जाता है। **बांसवाड़ा निचला घंटाला** में गुर्जर समाज ने इस 'नोतरा' व्यवस्था का उपयोग श्रीराम मंदिर हेतु समर्पण राशि जुटाने के लिए किया। मात्र 4 घंटे में 3 लाख रु.इकट्ठे हो गए।

बांसवाड़ा में राममंदिर के लिए नोतरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखंड

भाऊराव देवरस कुञ्ज, 15 तिलक मार्ग, देहरादून-248001

उत्तराखंड के सीमांत जनपद चमोली के हिमालयी क्षेत्र में बहने वाली ऋषि गंगा नदी के ऊपरी मुहाने में हुए हिमस्खलन से तपोवन और रैणी गांव क्षेत्र में जो जन-धन की हानि हुई है, वह अत्यंत वेदनापूर्ण है।

इस प्राकृतिक आपदा के समय स्थानीय प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व आईटीबीपी के जवानों द्वारा जो त्वरित कार्रवाई हुई तथा विशेषकर राज्य सरकार की सक्रियता से जो सम्भावित जन हानि का बचाव हुआ, वह सराहनीय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखंड प्रांत सभी मृतक परिवारों के प्रति शोक- संवेदना व्यक्त करता है, तथा समाज व सरकार से आग्रह करता है कि मृतकों के परिवारों की हर सम्भव सहायता करें।

आपदा की इस परिस्थिति में सहायता हेतु सम्पर्क सूत्र-

चमोली-	श्री शम्भुप्रसाद चमोला जी	75009 03421
	श्री अतुल साह जी	80067 17237
कर्णप्रयाग-	श्री जगदीप जी	96752 12222
रुद्रप्रयाग-	श्री शैलेन्द्र जी	96758 87573
श्रीनगर -	श्री संजय घिल्डियाल जी	99175 79990

(डॉ.राकेश भट्ट)
प्रांत संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
उत्तराखंड प्रांत

9 फरवरी को अजयमेरू (अजमेर) में बच्चों द्वारा श्रीराम फेरी का आयोजन

पंचर लगाने वाले ने भी दिया सहयोग

हरमाड़ा नगर (जयपुर) के पूरणमल सैनी जो कि एक पंचर की दुकान पर नौकरी करते हैं, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर हेतु ₹ 11,000 सहयोग राशि भेंट की जबकि उनकी मासिक आय ₹ 7,000 मात्र है।

गांवों में समर्पण का उत्साह

गांव, ढाणी के लोग भी श्रीराम मंदिर निर्माण हेतु उत्साह से समर्पण राशि दे रहे हैं। **नागौर के गांव चुटीसरा** से 42 हजार रु. तथा **कंवलीसर** से 43 हजार 900 रु. का सहयोग प्राप्त हुआ। ■

जन्मदिवस(इस बार 9 मार्च) पर विशेष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी द्वारा 55वर्ष पूर्व दिया गया वक्तव्य, मानो आज जारी किया गया हो-

(जन्मतिथि फाल्गुन कृ.11)

आत्मनिर्भरता

अपने देश को सभी दृष्टियों से आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासयुक्त बनाने हेतु उद्योगरत रहना होगा। हमें अपना युद्ध-सामर्थ्य विकसित करते हुए विदेशी निर्भरता से छुटकारा पाना होगा। हमारे अपूर्व बुद्धियुक्त वैज्ञानिकों को समय की चुनौती को स्वीकारते हुए आविष्कार और अनुसंधान कार्यों में जुटना चाहिए, जिससे युद्धकाल में हमें आवश्यक शस्त्र प्राप्त हो सके। शांति के समय में इसे आर्थिक प्रचुरता एवं समृद्धि की दिशा में परावर्तित एवं निर्देशित किया जा सकता है।

किसी न किसी रूप में युद्ध की स्थिति में बने रहने की वर्तमान दशा शीघ्र समाप्त होती नहीं लगती। सभी बन्धुओं को सर्वदा सुरक्षापरक, भावी संकटों के प्रति सजग तथा अपने महान राष्ट्रीय सम्मान एवं समग्रता के लिए उपस्थित प्रत्येक चुनौती का मुकाबला करने हेतु तत्पर रहना होगा।

(28 सितम्बर, 1965 को जारी वक्तव्य के अंश)

गणतंत्र दिवस पर अहमदाबाद में सरसंघ-चालक डॉ. मोहन राव भागवत राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

श्रीराम मंदिर के बारे में वरिष्ठजनों के कथन

सामाजिक सौहार्द्र का प्रकटीकरण

यह मंदिर सामाजिक सौहार्द्र और जनाकांक्षाओं की भारतीय भावना को प्रकट करता है।

■ **रामनाथ कोविंद,** राष्ट्रपति

राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम

राममंदिर के निर्माण की प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम है। ये ऐतिहासिक पल युगों-युगों तक, दिग-दिगन्त तक भारत की कीर्ति पताका फहराते रहेंगे।

■ **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

नए भारत का स्वरूप

लोग पूछते थे कि क्या अयोध्या में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो पायेगा। अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण, नए भारत का ही एक स्वरूप है।

■ **योगी आदित्यनाथ,** मुख्यमंत्री, उ.प्र.

भारत की अस्मिता का जागरण

राममंदिर को राष्ट्र मंदिर कहना अधिक उपयुक्त है। इसके बनने का अर्थ है- भारत की अस्मिता का जागरण।

■ **डॉ.प्रणव पंड्या,** प्रमुख, गायत्री परिवार

जागरण का माध्यम

श्रीराम मंदिर देश की हिन्दू जनता के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगा। 400 वर्ष के बाद हिन्दू जागरण का अद्भुत प्रवाह होगा।

■ **स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी**

वर्तमान व भविष्य पर प्रभाव

श्रीराम भारत के बहुसंख्यक समाज के लिए भगवान हैं और जिनके लिए भगवान नहीं भी हैं, उनके लिए आचरण के मापदंड तो हैं ही। भगवान राम भारत के उस गौरवशाली भूतकाल का अभिन्न अंग हैं, जो भारत के वर्तमान और भविष्य पर गहरा प्रभाव डालता है।

■ **डॉ. मोहन भागवत,** सरसंघचालक, रा.स्व.संघ

मंदिर निर्माण का संकल्प रहा

भारत में हमलावर बार-बार मंदिर तो तोड़ते गए, लेकिन वे यहां के जनमानस में खंडहर के ऊपर नये मंदिर के निर्माण का संकल्प लेने का प्रण नहीं तोड़ सके। ऐसा संकल्प ग्रीक, मेसोपोटामिया, मिस्र और पर्शिया के लोग नहीं ले सके।

■ **डॉ.कृष्णगोपाल,** सहसरकार्यवाह, रा.स्व.संघ

स्वप्नपूर्ति का आनंद

5 अगस्त, 2020 को अयोध्या में श्रीराम जन्मस्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण का भूमिपूजन समूचे भारत व विश्व भर में फैले भारतीय मूल के लोगों और भारत प्रेमियों ने जी भर के देखा। अनेक को यह दृश्य एक स्वप्नपूर्ति के आनंद का अनुभव करा रहा था। असंख्य भारतीयों के चेहरे पर समाधान का तेज और आंखों में आनंद के आंसू देखने को मिले।

■ **डॉ.मनमोहन वैद्य,** सहसरकार्यवाह, रा.स्व.संघ

सुखद क्षण की अनुभूति

जीवन के सबसे सुखद क्षण की अनुभूति हो रही है। धर्म और सत्य के विजय की अनुभूति हो रही है।

■ **स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज,** प्रख्यात कथाकार

भारत का उत्थान

श्रीराम जिस दिन भव्य मंदिर में प्रस्थापित होंगे, उस दिन से भारत का उत्थान शुरु हो जाएगा।

■ **श्री अशोक सिंहल**

भारत का निर्माण

मंदिर का निर्माण भारत का निर्माण है। मंदिर का निर्माण विश्व का निर्माण है। मंदिर का निर्माण लोकजीवन का निर्माण है।

■ **महंत नृत्यगोपाल दासजी महाराज,** अध्यक्ष, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास

राष्ट्र गौरव का प्रतीक

करोड़ों लोगों में श्रीराम मंदिर को लेकर उत्साह जागा है। यह केवल मंदिर निर्माण या धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं है। यह राष्ट्र के प्रति सभी की श्रद्धा, लगाव और प्रेम से जुड़ा मसला है।

■ **नृपेन्द्र मिश्र,** अध्यक्ष, राममंदिर निर्माण समिति

दलितों के प्रति अपार संवेदना

राम के दिल में दलितों के प्रति अपार संवेदना थी। एक दलित निषाद राज को गले लगाया। शबरी के पास गए जो समाज के सबसे निम्न वर्ग से थी।

■ **कामेश्वर चौपाल** सदस्य, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास

साभार : पांचजन्य (10-17 जनवरी,2021)

125 वें जयंती वर्ष पर विशेष

स्वयं को देश के लिए समर्पित करना चाहता हूँ

भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) की तैयारी के लिए सुभाष चन्द्र बोस के माता–पिता ने उन्हें इंग्लैण्ड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय भेज दिया था। उन्होंने सिविल सर्विस में चौथा स्थान प्राप्त किया।

भारत में बढ़ती राजनैतिक गतिविधियों के कारण उन्होंने सिविल सर्विस से त्याग पत्र दे दिया। आईसीएस पद ठुकराए जाने के कारण उनके पिता बहुत दुखी हुए और वे इस दुःख के कारण बीमार रहने लगे। जब उनके बड़े भाई शरदचन्द्र ने उनकी ये हालत देखी, तो उन्होंने सुभाष को पत्र लिखा। उसमें सूचित किया पिताजी तुम्हारे फैसले से बहुत दुखी हैं। आवेश में आकर यह फैसला करने से पहले तुमने पिताजी से सलाह क्यों नहीं की?

पत्र पढ़कर सुभाष को बहुत दुःख हुआ। वह असमंजस में पड़ गए। उन्होंने अपने बड़े भाई को पत्र लिखा कि पिताजी की नाराजगी जायज है मगर इंग्लैण्ड के राजा के प्रति वफादारी की शपथ लेना मेरे लिए संभव नहीं था। मैं खुद को देश की सेवा में समर्पित कर देना चाहता हूँ। मैं हर तरह की मुश्किलों के लिए तैयार हूँ, चाहे वह निर्धनता, अभाव, माता–पिता की अप्रसन्नता हो या कुछ और, मैं सब सहने के लिए तैयार हूँ। इसके जवाब मैं शरदचन्द्र ने पुनः सुभाष को पत्र लिखा; 'पिताजी रात–रात भर सोते नहीं हैं इस चिंता में कि भारत आते ही तुम्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा। सरकार तुम्हारी गतिविधियों पर कार्रवाही जरुर करेगी। अब तुम्हें स्वतंत्र नहीं रहने देगी। यह पत्र सुभाष के मित्र दिलीप राय ने भी पढ़ा। वे सुभाष से बोले कि मित्र अब भी चाहो तो अपना त्याग पत्र वापस ले सकते हो। ये सुनकर सुभाष गुस्से में आ गये और बोले–''मैंने ये निर्णय बहुत सोच समझ कर लिया है। तुम ऐसा सोच भी कैसे सकते हो।''

तब दिलीप बोले–''मैं तो सिर्फ ये कह रहा था कि तुम्हारे पिता बीमार हैं।'' मित्र की बात बीच में ही काट कर सुभाष बोले–'' मैं जानता हूँ। इस बात का मुझे भी खेद है, लेकिन अपने परिवार की प्रसन्नता के आधार पर हम अपने आदर्श निर्धारित करें, तो क्या यह ठीक रहेगा?'' ■

ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर 2020
'आत्मनिर्भरता'

'ऑक्सफोर्ड लैंग्विजेज' ने 'आत्मनिर्भरता' को 2020 का हिंदी भाषा का शब्द घोषित किया है। 'ऑक्सफोर्ड हिन्दी शब्द' से तात्पर्य ऐसे शब्द से है, जो पिछले वर्ष के लोकाचार, मनोदशा या स्थिति को प्रतिबिंबित करे और जो सांस्कृतिक महत्व के एक शब्द के रूप में लंबे समय तक बने रहने की क्षमता रखता हो।

'ऑक्सफोर्ड लैंग्विजेज' विश्व की वह प्रतिष्ठित संस्था है जो 'ऑक्सफोर्ड अंग्रेजी शब्दकोश' का प्रकाशन करती है। यह 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस' का हिस्सा है जो कि विश्व प्रसिद्ध 'ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय' का एक विभाग है।

'ऑक्सफोर्ड लैंग्विजेज' ने एक बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब कोविड–19 से निपटने के लिए पैकेज की घोषणा की थी, तो उन्होंने वैश्विक महामारी से निपटने के लिए देश को एक अर्थव्यवस्था के रूप में, एक समाज के रूप में और व्यक्तिगत तौर पर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया था। इसके बाद ही 'आत्मनिर्भरता' शब्द का प्रयोग भारत के सार्वजनिक शब्दकोश में एक वाक्यांश और अवधारणा के रूप में काफी बढ़ गया।

इसका एक बड़ा उदाहरण भारत द्वारा हाल ही में कोविड–19 के टीके का निर्माण करना भी है। गणतंत्र दिवस पर आत्मनिर्भर भारत अभियान को रेखांकित करते हुए राजपथ पर एक झांकी भी निकाली गई थी।

उत्तर – संस्कृति प्रश्नोत्तरी – 1. मारीच 2. कंक 3. स्याम 4. गिरनार 5. महाकवि कम्ब 6. सोलह 7. शिल्प संहिता,अन्हिलपुर का जैन ग्रंथालय (गुजरात) 8. मैडम कामा 9. महाराजा सूरजमल 10. पराक्रम दिवस । उत्तर – महापुरुष पहचानो – बिरसा मुण्डा

भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र का हथियार बना किसान आंदोलन

केन्द्रीय कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली बोर्डर पर जमा किसानों की 26 जनवरी को निकली ट्रेक्टर रैली के दौरान लाल किले तथा अन्य स्थानों पर हुई हिंसा से पूरा देश दहल गया था। अब राज खुल रहे हैं कि इस हिंसा के पीछे अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र था तथा यह हिंसा पूर्व नियोजित थी।

छुपा हुआ एजेंडा

किसान आंदोलन के नेतृत्व को अपने निहित स्वार्थ के अनुसार चलाकर भारत को विश्व में बदनाम करने, भारत की पहचान योग व चाय की छवि को ध्वस्त करने, भारत के दो प्रमुख उद्योगपतियों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार को कमजोर करने एवं खालिस्तान आंदोलन को पुनर्जीवित करने जैसे उद्देश्य के लिए पूरी योजना बनाई गई।

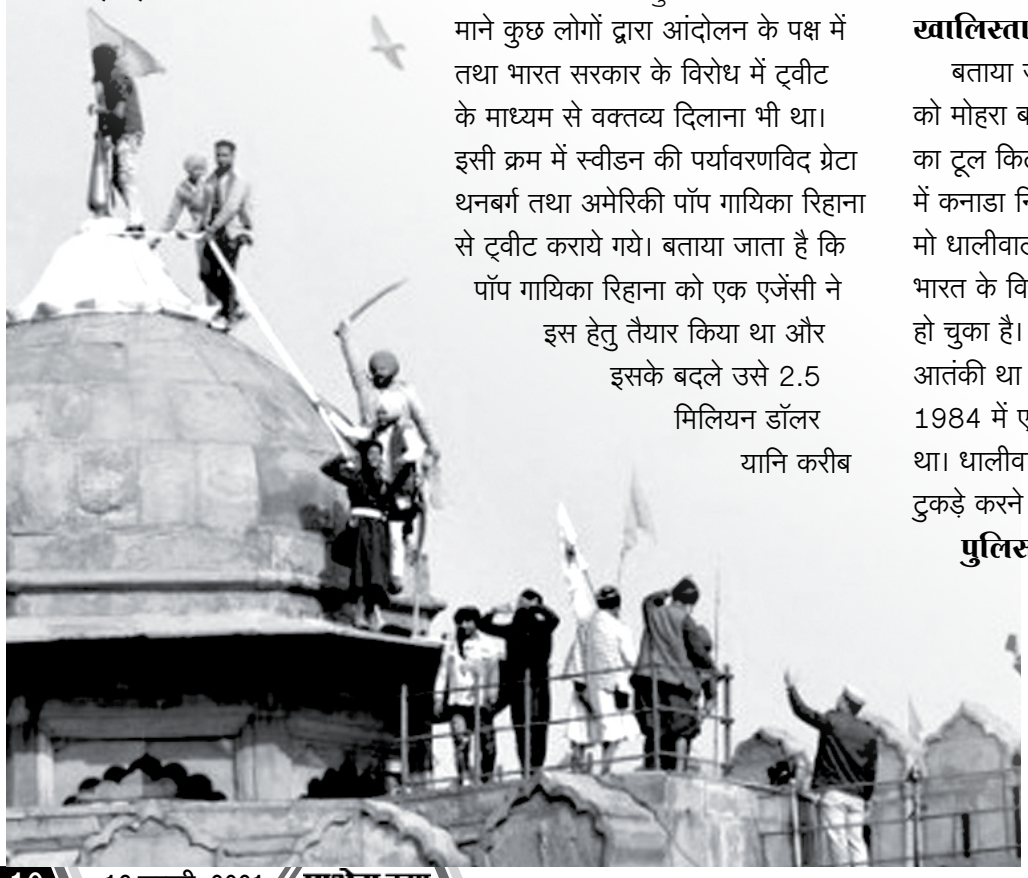

टूलकिट

इस योजना का टूलकिट (दस्तावेज) सोशल मीडिया पर स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग द्वारा शायद गलती से ट्वीट कर दिया गया था, क्योंकि कुछ समय बाद इसे हटा लिया गया। इस टूलकिट में अराजकता फैलाने सहित जनवरी तथा फरवरी माह की विस्तृत कार्य–योजना दी गई थी। किसान नेतृत्व ने उसी योजनानुसार कार्य किया। इस टूलकिट में भारत की सत्ताधारी पार्टी भाजपा को फासीवादी पार्टी बताया गया ।

टूलकिट में किसान आंदोलन के लिए विश्व में समर्थन जुटाने तथा आंदोलन में सहयोग कैसे किया जाय, इसकी जानकारी दी गई थी।

धन के बदले वक्तव्य

कार्य योजना में दुनिया के जाने–माने कुछ लोगों द्वारा आंदोलन के पक्ष में तथा भारत सरकार के विरोध में ट्वीट के माध्यम से वक्तव्य दिलाना भी था। इसी क्रम में स्वीडन की पर्यावरणविद ग्रेटा थनबर्ग तथा अमेरिकी पॉप गायिका रिहाना से ट्वीट कराये गये। बताया जाता है कि पॉप गायिका रिहाना को एक एजेंसी ने इस हेतु तैयार किया था और इसके बदले उसे 2.5 मिलियन डॉलर यानि करीब 18.23 करोड़ रुपये दिए गए।

खालिस्तानी संबंध

बताया जाता है कि किसान आंदोलन को मोहरा बनाकर अपना हित साधने का टूल किट अर्थात् दस्तावेज बनाने में कनाडा निवासी खालिस्तान समर्थक मो धालीवाल का हाथ है। यह व्यक्ति भारत के विरुद्ध कई प्रदर्शनों में शामिल हो चुका है। इसका चाचा खालिस्तानी आतंकी था जिसे पंजाब पुलिस ने 1984 में एक एनकाउन्टर में मार गिराया था। धालीवाल की योजना भारत के टुकड़े करने की थी।

पुलिस जांच

4 फरवरी को दिल्ली पुलिस की साइबर इकाई ने ट्वीट किए गए 'टूलकिट' के संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। स्पेशल कमिश्नर प्रवीर रंजन ने कहा –

किसान आंदोलन तो जंग की शुरुआत है!

'पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन' के संस्थापक मो धालीवाल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि वह 26 जनवरी को भारतीय दूतावास के सामने दिए गए उसके भाषण का है। जरा ध्यान दीजिए कि वह क्या कह रहा है–

'' अगर कल कृषि कानून वापस ले लिए जाते हैं तो वह जीत नहीं होगी, यह तो जंग की शुरुआत होगी और इसका अंत यही नहीं होगा। किसी को भी यह मत कहने दीजिए कि यह लड़ाई कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ खत्म हो जाएगी।''

रिहाना, ग्रेटा थनबर्ग, मिया खलीफा को दो टूक जवाब दिया भारत के खिलाड़ियों एवं कलाकारों ने

भारत रत्न से नवाजे गये लता मंगेशकर एवं सचिन तेंदुलकर सहित कंगना रनौत, अक्षय कुमार, अजय देवगन, एकता कपूर, विराट कोहली, प्रज्ञान ओझा आदि ने पलटवार करते हुए रिहाना, मिया खलीफा व ग्रेटा जैसों को चेताया है कि वे भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करें। किसान भारत के अपने हैं और हम मिलकर इस समस्या को सुलझा लेंगे। इन्होंने लोगों को देश बांटने वाले षड्यंत्रों से दूर रहने की सलाह भी दी है। **सचिन तेंदुलकर ने अपने ट्वीट में लिखा है, *''भारत की संप्रभुता से समझौता नहीं किया जा सकता। विदेशी शक्तियाँ दर्शक तो बन सकती हैं लेकिन प्रतिभागी नहीं। भारतीय, भारत को जानते हैं। (हम) एक देश के रूप में एकजुट रहें।''***

राजनीतिक दलों का कितना अधः पतन होगा?

कांग्रेस को क्या हो गया है? लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने सचिन तेंदुलकर को ऐसा ट्वीट करने पर बधाई देने के बजाय आड़े हाथों लिया है। शिव सेना के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने कांग्रेस की शिकायत पर देश के पक्ष में किए गए ट्वीट्स की जांच कराने का निर्णय लिया है। इससे ज्यादा अधोपतन नहीं हो सकता! लालू की पार्टी राजद और भी आगे बढ़ गयी है। उसके नेता शिवानन्द तिवारी ने तो मर्यादा और देश विरोध की सारी हदें पार कर दीं। शिवानन्द तिवारी सचिन तेंदुलकर द्वारा भारत के पक्ष में किये गए ट्वीट से खासे परेशान नजर आए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि सचिन तो मात्र एक 'मॉडल' हैं, उसको 'भारत रत्न' दिया जाना एक भूल थी, उससे यह सम्मान वापस ले लेना चाहिए।

''शुरुआती जांच में पता चला है कि यह टूलकिट एक खालिस्तानी समर्थक संस्था (पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन-पीजेएफ) ने बनाया था। इस टूलकिट का उद्देश्य भारत सरकार के विरुद्ध वातावरण बनाना था।''

प्रवीर रंजन के अनुसार इस टूलकिट में 26 जनवरी तक हैशटैग्स के माध्यम से डिजिटल स्ट्राइक करना, भारी संख्या में ट्वीट करना, 26 जनवरी को जमीनी कार्रवाई करना तथा भारतीय दूतावासों के सामने विश्वभर में प्रदर्शन करना शामिल है।

केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा है कि थनबर्ग का ट्वीट दिखाता है कि भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर षड्यंत्र रचा गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि भारत को निशाना बनाकर चलाये जा रहे अभियान कभी सफल नहीं होंगे। भारत इस षड्यंत्र को सफल नहीं होने देगा। ■

सम्पत्ति का अर्जन

हम अधिक से अधिक भौतिक सम्पत्ति का अर्जन करें जिससे कि समाज के रूप में जो ईश्वर है, उसकी सेवा यथा संभव श्रेष्ठ रीति से कर सकें।

-श्रीगुरुजी, रा.स्व.संघ के द्वितीय सरसंघचालक

दुःखद एवं निंदनीय

गणतंत्र दिवस के पवित्र दिन दिल्ली में जो हिंसा या उपद्रव हुआ वह अत्यंत ही दुःखद एवं निंदनीय है। विशेषकर ऐतिहासिक स्थल लाल किले पर हुआ कृत्य देश की स्वाधीनता और अखंडता की रक्षा के लिए बलिदान देने वालों का अपमान है। लोकतंत्र में ऐसी अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी देशवासियों से आह्वान करता है कि राजनैतिक एवं वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठ कर प्राथमिकता से शांति के लिए प्रयास करें।

- सुरेश (भय्याजी) जोशी
सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

तथ्य

1. भारत बना सुरक्षा परिषद का सदस्य

- भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बना (अस्थाई सदस्य, 2वर्ष के लिए/आठवीं बार)
- संयुक्त राष्ट्र संघ के 192 सदस्य देशों में से 184 ने भारत के पक्ष में वोट दिया जो कि भारत की कूटनीतिक विजय को प्रकट करता है।
- सुरक्षा परिषद में 5 स्थायी तथा 5 अस्थायी सदस्य होते हैं।

2. भव्या लाल बनीं नासा की कार्यकारी प्रमुख

- भारतीय मूल की भव्या लाल को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया गया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया।

देश का जनमानस अनुच्छेद 370 हटाने तथा समान नागरिक संहिता एवं लव जिहाद कानून के पक्ष में- सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ

देश की एक प्रमुख साप्ताहिक पत्रिका इंडिया टुडे व कार्वी इनसाइट्स द्वारा कराये गये सर्वेक्षण में देश के लोगों ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के पक्ष में अपनी राय व्यक्त की है। इंडिया टुडे के सम्पादक अरुण पुरी लिखते हैं, *''इस सर्वेक्षण से एक और संदेश मिलता है-जन भावना संघ परिवार के हिन्दुत्व की विचारधारा के प्रति अनुकूल सोच रखती है। उन तीन बड़े मुद्दों के पक्ष में व्यापक जन समर्थन दिखता है जो भाजपा के हिन्दुत्व के मूल विचारों को मूर्त रूप देते हैं। ये हैं राम मंदिर, अनुच्छेद 370 का उन्मूलन और समान नागरिक संहिता''*

अनुच्छेद 370 का उन्मूलन

सर्वेक्षण में शामिल 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन किया है। विरोध में मात्र 17 प्रतिशत हैं। एक अन्य प्रश्न कि, क्या जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, के जवाब में 49 प्रतिशत लोग इसे केन्द्र शासित प्रदेश ही बनाए रखना चाहते हैं। मात्र 36 प्रतिशत उत्तरदाता राज्य का दर्जा पुनः दिए जाने के पक्ष में हैं।

जम्मू-कश्मीर

क्या आप जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन करते हैं?

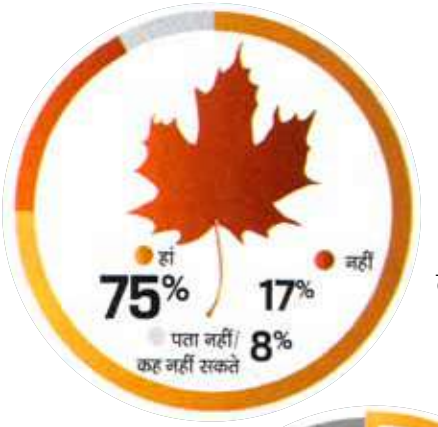

क्या जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए?

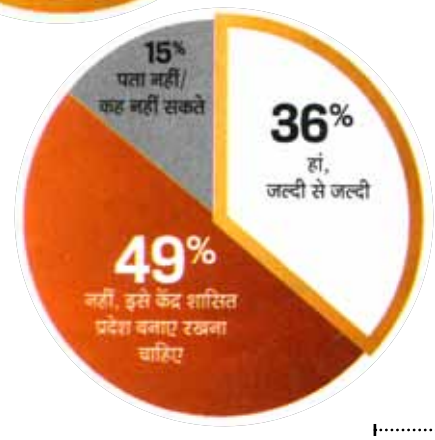

समान नागरिक संहिता व नागरिकता संशोधन कानून

सर्वेक्षण के 70 प्रतिशत उत्तरदाता देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के पक्ष में हैं। मात्र 20 प्रतिशत ऐसा नहीं चाहते। सर्वेक्षण के 53 प्रतिशत लोग नागरिकता संशोधन कानून के पक्ष में हैं तथा मात्र 21 प्रतिशत विरोध में। जबकि, विरोधी दलों तथा शाहीन बाग के जमावड़े ने इस कानून का भारी विरोध किया था।

क्या देश में समान नागरिक संहिता लागू की जानी चाहिए?

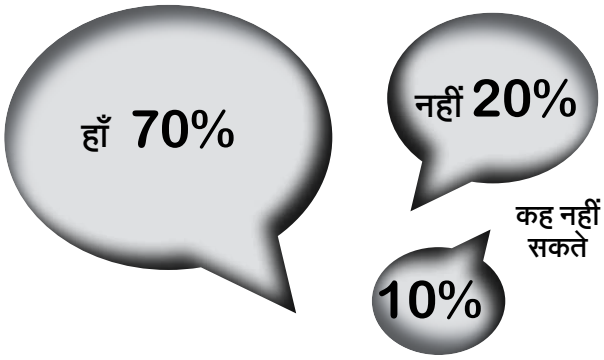

लव-जिहाद

सर्वेक्षण में पूछा गया था कि, *'क्या आपको लगता है हिन्दू महिलाओं के धर्मांतरण के लिए 'लव-जिहाद' की व्यापक साजिश रची जा रही है?'*

54% लोगों ने 'हाँ' कहा। मात्र 36 % का उत्तर था 'नहीं'।

'लव-जिहाद' का जायजा

क्या आपको लगता है हिंदू महिलाओं के धर्मांतरण के लिए 'लव-जिहाद' की व्यापक साजिश रची जा रही है?

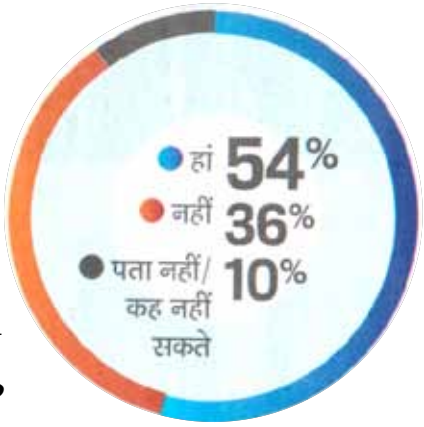

चीनी सामान का बहिष्कार

सर्वेक्षण के 82 प्रतिशत लोग चीनी सामान और मोबाइल एप्स पर पाबंदी से सहमत थे। मात्र 14 प्रतिशत ऐसी पाबंदी नहीं चाहते।

चीनी सामान और मोबाइल एप्स पर भारत की पाबंदी से आप सहमत हैं?

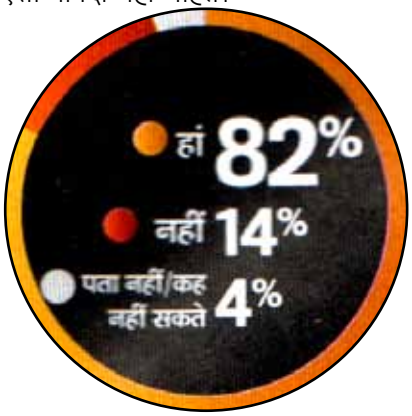

सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री

सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं ने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को पहले स्थान पर तथा अटल बिहारी वाजपेयी को दूसरे स्थान पर रखा है। तीसरे एवं चौथे स्थान पर क्रमशः इंदिरा गांधी एवं जवाहर लाल नेहरु हैं।

अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री कौन है?

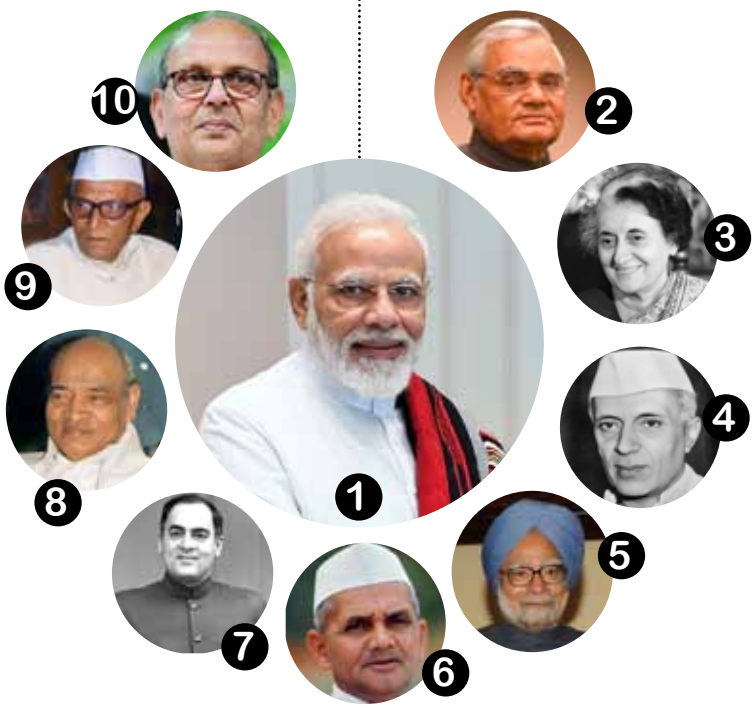

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में क्रमशः अयोध्या में राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, कोविड महामारी से मुकाबला, मेक इन इण्डिया पहल, नोटबंदी, आत्मनिर्भर भारत अभियान, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार आदि रहीं। ■

(स्रोत : इंडिया टुडे, 3 फरवरी, 2021)

उत्तर बाल प्रश्नोत्तरी – 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (ख) 6. (क) 7. (ग) 8. (क) 9. (क) 10. (ख)

संस्कृति प्रश्नोत्तरी

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान हैं?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइये। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें –
सामान्य–यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
श्रेष्ठ– यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
उत्तम – यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. किशोरवय श्रीराम के बाण के प्रहार से एक राक्षस बहुत दूर जा कर गिरा, वह कौन था?
2. अज्ञातवास के समय महाराज युधिष्ठिर ने अपना नाम क्या रखा?
3. थाईलैण्ड का प्राचीन नाम क्या था?
4. गुजरात के सौराष्ट्र में स्थित पवित्र रैवतक पर्वत किस नाम से अधिक जाना जाता है?
5. तमिल भाषा में राम–कथा लिखने वाले महाकवि कौन थे?
6. लगभग ढाई हजार साल पहले सम्पूर्ण भारत में कितने जनपद थे?
7. किस प्राचीन ग्रंथ में आधुनिक दूरदर्शी यंत्र (टेलिस्कोप) बनाने की विधि बताई गई है तथा वह ग्रंथ कहाँ है?
8. जर्मनी के स्टुटगार्ट में स्वतंत्र भारत का ध्वज फहराने वाली क्रांतिकारी महिला कौन थीं?
9. भरतपुर के वे महाराजा कौन थे जिनके भय से हमलावर अहमदशाह अब्दाली वापस लौट गया?
10. सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिन को किस दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई है?

(उत्तर पृष्ठ क्र. 9 पर)

शताब्दी वर्ष

नीमड़ा नरसंहार- अंग्रेजों की क्रूरता की कहानी

श्रीमती संतोष गुप्ता

नीमड़ा गांव पहाड़ियों से घिरा हुआ था।
अंग्रेजों की गोलियों से 1200 वनवासी भील शहीद हो गए

पंजाब के जलियांवाला बाग की बंद चार दीवारी में शांतिपूर्ण सभा कर रहे लोगों पर अंग्रेजों ने गोलियां चलवा दी थीं, जिसमें चार सौ से ज्यादा लोग शहीद हो गए थे। अंग्रेज शासन ने ऐसा नरसंहार देश में कई स्थानों पर किया। राजस्थान में ऐसे ही दो नरसंहार बांसवाड़ा के मानगढ़ (13 नवम्बर, 1913) तथा सिरोही के नीमड़ा (7 मार्च, 1922) में अंग्रेजों द्वारा किये गये।

कई स्थानों पर वनवासियों के सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में 'बेगारी' न करने तथा लगान नहीं देने की घोषणा की जाने लगी। 7 मार्च,1922 को नीमड़ा गांव में एक विशाल सम्मेलन था जहाँ अंग्रेज अधिकारियों ने गोली चलवा दी।

अंग्रेजी शासन द्वारा वनवासियों (जिन्हें कई आदिवासी भी कहते हैं) पर तरह-तरह के अत्याचार किये जाते थे। अंग्रेजों के पिट्ठू जमींदार भी इसमें शामिल थे। वनवासियों की पकी हुई फसल कटवा लेना, दुधारू पशुओं को उठवा लेना, अमर्यादित लगान वसूली, बलपूर्वक बेगार, छोटी-छोटी बातों पर कोड़ों से पीटना आदि आम बातें थीं।

मोतीलाल तेजावत के प्रयत्न

कोल्यारी गांव में जन्मे मोतीलाल तेजावत ने वनवासियों की दशा निकट से देखी थी। वे वनवासी समाज में प्रचलित कुरीतियों से भी परिचित थे तथा अंग्रेज शासन व उनके पिट्ठू जमीदारों द्वारा उन पर किये जा रहे अत्याचारों को करीब से देखा था।

मोतीलाल तेजावत ने वनवासियों की दशा सुधारने का बीड़ा उठाया। उन्होंने झाड़ोल के राव साहब की नौकरी छोड़ दी तथा गांव-गांव जाकर वनवासियों को संगठित करना शुरू कर दिया। वे वनवासियों को कुप्रथाएं छोड़ने तथा अपने ऊपर हो रहे अत्याचारों का विरोध करने को कहते।

तेजावत ने भीलों में जागृति लाने के लिए 'वनवासी संघ' की स्थापना की। वनवासियों में जागृति का यह अभियान 'एकी आंदोलन' के नाम से प्रसिद्ध हो गया था। इस आंदोलन का प्रारम्भ 1921 में चित्तौड़गढ़ के मातृकुण्डिया गांव से हुआ बताते हैं। मोतीलाल तेजावत ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन को 'भोमट भील आंदोलन' भी कहते हैं।

मोतीलाल तेजावत के प्रयत्नों से कई स्थानों पर वनवासियों के सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में 'बेगारी' न करने तथा लगान नहीं देने की घोषणा की जाने लगी। अंग्रेजी शासन आन्दोलनकारियों की इन गतिविधियों से परेशान हो गया था। अंग्रेज आंदोलन को कुचलना चाहते थे।

7 मार्च,1922 को विजयनगर राज्य के नीमड़ा गांव में मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। अंग्रेज शासन को जब इसकी भनक लगी तो उन्होंने वहाँ अपनी सेना भेज दी।

एकलिंग नाथ की जय तथा मोती बाबा की जय के घोष लगाते हुए भील बड़ी संख्या में सम्मेलन में उपस्थित थे। अंग्रेज अधिकारियों ने वनवासियों के कुछ प्रमुख लोगों को वार्ता के लिए एक तरफ बुलाया परन्तु इसी बीच गोली चलाने का आदेश भी दे दिया। नीमड़ा गांव पहाड़ियों से घिरा हुआ था। अंग्रेजों की गोलियों से 1200 वनवासी भील मारे गये।

श्री तेजावत के पैरों में भी गोली लगी थी। वे अगले आठ वर्षों तक भूमिगत रहते हुए काम करते रहे। 1929 में गांधी जी के कहने पर उन्होंने आत्म-समर्पण कर दिया। 1929 से 1936 तथा 1944 से 1946 तक उन्हें जेल में रहना पड़ा।

नीमड़ा नरसंहार में मरने वालों की संख्या जलियांवाला बाग से भी अधिक थी, परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर इसकी चर्चा नहीं होती। नीमड़ा के पेड़ों पर गोलियों के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। ■

समाज सेवा, साहित्य और सारंगी ने दिलाये राजस्थान को पद्मश्री

श्याम सुन्दर पालीवाल

- **गांव को बनाया हरियालीयुक्त व आत्मनिर्भर**
- **बालिका जन्म को बनाया सम्मान का अवसर**

इस वर्ष राजस्थान से पद्मश्री पुरस्कार पाने वालों में पर्यावरण के लिए काम करने वाले श्याम सुन्दर पालीवाल राजसंमद जिले के पिपलांत्री गांव से हैं। **पालीवाल ने पेड़ लगाने व लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने में अपना जीवन समर्पित किया है।** अपनी 16 वर्ष की बेटी की असमय मृत्यु के बाद उन्होंने उसकी याद में पेड़-पौधे लगाने आरंभ किये।

वर्ष 2005 से पूर्व उनके गांव पिपलांत्री में सूखे की स्थिति थी। गांव में व्यापक खनन के कारण जल और वनस्पति की कमी थी। इसके साथ ही गांव में 'बालिका वध' की कुप्रथा प्रचलित थी, जिसके कारण गांव का लिंगानुपात बहुत कम था। जब वे गांव के सरपंच बने तो गांव में बालिका के जन्म पर 111 पेड़ लगवाये जाने लगे तथा जिस परिवार में बालिका का जन्म होता उसे ग्राम पंचायत व जन सहयोग से आर्थिक मदद भी दी जाती। इस योजना से

बेटी के जन्म पर 111 पेड़ लगवाने तथा उस परिवार को आर्थिक लाभ देने की परम्परा शुरू करने से बेटी का सम्मान होने लगा। ग्वारपाठा, आँवला और गुलाब की खेती से रोजगार पैदा हुए तथा गांव में लगभग 1800 चेक डैम बनाए गए।

गांव का पर्यावरण ठीक होने लगा तथा परिवारों में बेटी का सम्मान होने लगा। अब तक गांव में 5 लाख से अधिक पौधे लगाये जा चुके हैं।

श्री पालीवाल ने ग्वारपाठा, आँवला और गुलाब के पौधों की खेती प्रारंभ कर पिपलांत्री गांव के लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा किए। जल संरक्षण के लिए उन्होंने 'स्वजलधारा योजना' प्रारम्भ कर गांव में लगभग 1800 चेक डैम बनाये। इसके साथ ही गांव में खुले में शौच को प्रतिबंध कर एक आदर्श ग्राम की कल्पना को साकार किया।

पाथेय कण भी 2012 में श्री पालीवाल के गांव पिपलान्त्री को 'जाग्रत-ग्राम सम्मान' देकर सम्मानित कर चुका है।

लाखा खान

जोधपुर जिले के बाप तहसील के राणेरी गांव में लंगा समुदाय के पारंपरिक संगीतकार परिवार में जन्मे **71 वर्षीय लाखा खान प्यालेदार सिंधी सारंगी बजाने वाले देश में एकमात्र कलाकार हैं।**

यह सबसे जटिल वाद्ययंत्र है। हिन्दी, मारवाड़ी, सिंधी, पंजाबी तथा मुल्तानी सहित छः भाषाओं में गाने वाले लाखा खान को संगीत अकादमी सहित देश-विदेश में पुरस्कृत किया जा चुका है।

डॉ. अर्जुन सिंह शेखावत

राजस्थानी भाषा व साहित्य को जीवन समर्पित करने वाले पाली के 87 वर्षीय डॉ.शेखावत ने अपने जीवन की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की। नौकरी के दौरान जनजातीय क्षेत्र में रहने की वजह से उन्हें जनजातीय लोगों के जीवन के अध्ययन का मौका मिला। इसके बाद शेखावत ने उन पर लिखना शुरु किया और धीरे-धीरे साहित्य प्रेम बढ़ता गया। **'भाखर रा भौमिया' आपकी चर्चित पुस्तक रही है।** राजस्थानी भाषा, संस्कृति और जनजातीय जीवन पर साहित्य रचना के कारण उन्हें यह पुरस्कार मिला है। **डॉ.शेखावत पिछले 30 वर्षों से मायड़ भाषा (राजस्थानी) को मान्यता दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आपने 50 से अधिक रचनायें मायड़ भाषा में लिखी हैं। वे अब तक 22 पुस्तकें लिख चुके हैं।**

किसी का दिल मत दुखाओ

गर्मियों के दिनों में एक शिष्य ने अपने गुरु से सप्ताह–भर की छुट्टी लेकर गांव जाने का निर्णय किया। रास्ते में शिष्य को एक कुआँ दिखायी दिया। कुएँ का पानी पीकर शिष्य को अद्‌भुत तृप्ति मिली;क्योंकि कुएँ का जल बेहद मीठा और ठण्डा था। शिष्य ने सोचा–'क्यों न यहाँ का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूँ।' मशक में जल भरकर वह आश्रम की ओर चल पड़ा।

गुरुजी ने शिष्य से मशक लेकर जल पिया और सन्तुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा–'वाकई, जल तो गंगाजल के समान है।' गुरुजी से प्रशंसा सुनकर शिष्य को खुशी हुई। अब वह आज्ञा लेकर अपने गाँव की ओर चला। तभी दूसरे शिष्य ने गुरुजी से वह जल पीने की इच्छा जतायी, गुरुजी ने मशक शिष्य को दी। शिष्य ने जैसे ही पानी का घूँट भरा, वैसे ही कुल्ला कर दिया।

शिष्य बोला–'गुरुजी! इस पानी में तो कड़वाहट है और जल शीतल भी नहीं है, आपने बेकार ही इतनी प्रशंसा की।'

गुरुजी बोले–बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है तो क्या हुआ, इसे लाने वाले के मन में तो है। मुझे भी मशक का जल तुम्हारी ही तरह ठीक नहीं लगा। पर मैं ये बात कहकर उसे दुखी नहीं करना चाहता था। हो सकता है, जब मशक में जल भरा गया, तब वह शीतल हो और मशक के साफ न होने के कारण यहाँ आते–आते यह जल वैसा नहीं रहा, पर इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता।

दूसरों के मन को दुःखी करने वाली बातों को टाला जा सकता है और बुराई में भी अच्छाई खोजी जा सकती है। ■

बाल प्रश्नोत्तरी

आपकी स्मरण शक्ति का स्तर क्या है? बाल मित्रों! पाथेय कण का 1फरवरी, 2021 का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें और देखें कि आपकी स्मरण शक्ति का स्तर कैसा है। **सामान्य** : यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** : यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम** : यदि सभी प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।

1. श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण महाअभियान की शुरुआत सरसंघचालक जी ने किस स्थान से की?
(क) दिल्ली (ख) नागपुर (ग) अयोध्या (घ) विदिशा

2. उज्जैन की 95 वर्षीय महिला का क्या नाम है जिसने अपने जीवन भर की पूँजी राममंदिर हेतु दे दी?
(क) श्यामा देवी (ख) कामेरी देवी (ग) भंवरी देवी (घ) रमा देवी

3. सुभाष बाबू कोलकाता नगर–निगम के मेयर कब बने?
(क) 1924 (ख) 1926 (ग) 1930 (घ) 1932

4. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का जन्म दिन कब आता है?
(क) 23 जनवरी (ख) 25 जनवरी (ग) 21 जनवरी (घ) 26 जनवरी

5. विक्टोरिया मेमोरियल (कोलकाता) में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित गैलरी का क्या नाम रखा है?
(क) आजाद भारत (ख) विप्लवी भारत (ग) स्वतंत्र भारत (घ) आत्मनिर्भर भारत

6. राजस्थान का प्रसिद्ध बेणेश्वर मेला कब से प्रारम्भ होता है?
(क) माघ शु. एकादशी (ख) पौष शु.एकादशी (ग) फाल्गुन शु.एकादशी (घ) चैत्र शु. एकादशी

7. मकर संक्रांति का त्योहार तमिलनाडु में किस नाम से जाना जाता है?
(क) पौष संक्रांति (ख) बिहु (ग) पोंगल (घ) संक्रांति

8. प्रथम सिंधु महाकुम्भ का आयोजन किस स्थान पर होने जा रहा है?
(क) लेह–लद्‌दाख (ख) जम्मू–कश्मीर (ग) कैलाश–मानसरोवर (घ) सिन्ध

9. प्रसिद्ध क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह का जन्म दिवस कब आता है?
(क) 23 फरवरी (ख) 25 फरवरी (ग) 28 फरवरी (घ) 20 फरवरी

10. पाथेय कण में प्रकाशित नवीन चित्रकथा किस राष्ट्रनायक पर आधारित है?
(क) चन्द्रशेखर आजाद (ख) सुभाष चन्द्र बोस (ग) भगत सिंह (घ) रासबिहारी बोस

(उत्तर पृष्ठ संख्या 13 पर)

पहचानो तो यह महापुरुष कौन है?

बाल मित्रों! यहाँ एक महापुरुष का चित्र तथा उनके जीवन के बारे में कुछ संकेत दिये जा रहे हैं। संकेत के आधार पर चित्र को पहचानो और अपने ज्ञान की परीक्षा करो।

1. वनवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाकर अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।
2. आपका जन्म झारखण्ड में हुआ था।
3. ब्रिटिश सरकार ने षड्‌यंत्रपूर्वक कैदकर इनकी हत्या कर दी।

(उत्तर पृष्ठ संख्या 9 पर)

आगामी पक्ष के विशेष अवसर

01 से 15 मार्च, 2021
(फाल्गुन कृष्ण 2 से फाल्गुन शुक्ल 2 वि. 2077 तक)

जन्म दिवस

2 मार्च (1917) – राष्ट्रवादी इतिहासकार पी.एन.ओक
14 मार्च (1844) – शंकराचार्य भारती कृष्ण तीर्थ जी
फा. कृ.10 (8 मार्च) – आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द
फा. कृ. 11 (9 मार्च) – प. पू. श्रीगुरुजी, श्रेयांस नाथ (11 वें)
फा. कृ. 14 (12 मार्च)– 12 वें तीर्थंकर श्री वासुपूज्य
फा.शु. 2 (15 मार्च) – आध्यात्मिक विभूति रामकृष्ण परमहंस

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

1 मार्च (1924) – क्रांतिकारी गोपी मोहन साहा की शहादत
6 मार्च (1897) – पं. लेखराज की शहादत
9 मार्च (1994) –राष्ट्र सेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालिका सरस्वती ताई आप्टे की पुण्यतिथि।
11 मार्च (1689) – छत्रपति शम्भा जी महाराज का बलिदान।

महत्वपूर्ण घटनायें/अवसर

3 मार्च – विश्व वन्यजीव दिवस
4 मार्च – राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस
फाल्गुन कृ.8 (6 मार्च)– सीताष्टमी
7 मार्च (1922) – नीमड़ा नरसंहार
8 मार्च (1535) – चित्तौड़ का दूसरा साका
8 मार्च – अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस
14 मार्च (1823) – बाबा फूलासिंह की पेशावर विजय
15 मार्च – विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

पंचांग–फाल्गुन (कृष्ण–पक्ष)

युगाब्द–5122, विक्रमी–2077, शाके–1942
(28 फरवरी से 13 मार्च, 2021)

चतुर्थी व्रत – 2 मार्च, **विजया एकादशी व्रत** – 9 मार्च, **प्रदोष व्रत** – 10 मार्च, **महाशिवरात्रि** – 11 मार्च, **पंचक** – 11 मार्च (प्रातः 9.21 बजे) से प्रारंभ, **देवपितृकार्य अमावस्या, शिव खप्पर पूजा** – 13 मार्च

ग्रह स्थिति

चन्द्रमा : 28 फरवरी **सिंह** राशि में, 1–2 मार्च **कन्या** में, 3–4 मार्च **तुला** में, 5–6 मार्च नीच की राशि **वृश्चिक** में, 7–8 मार्च **धनु** में, 9 से 11 मार्च **मकर** राशि में तथा 12–13 मार्च को **कुंभ** राशि में गोचर करेंगे।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष में **गुरु** और **शनि** यथावत मकर राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** और **केतु** भी वृष व वृश्चिक राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य** व **शुक्र** कुंभ राशि में और **मंगल** पूर्ववत वृष राशि में ही बने रहेंगे। **बुध देव** 11 मार्च को प्रातः 12.30 बजे मकर से कुंभ राशि में गोचर करेंगे।

कृषि अधिनियम पर गोष्ठी

गत 30 जनवरी को विश्व संवाद केन्द्र, चित्तौड़ की ओर से 'कृषि सुधार अधिनियम–2020' समृद्ध कृषक व सशक्त भारत की आधारशिला' विषय पर एक ई–विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता **भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्री बद्रीनारायण चौधरी ने कहा कि– 'केन्द्र सरकार द्वारा पारित कृषि सुधार अधिनियम में किसान हितों के विपरीत कोई प्रावधान नहीं है।'** बल्कि नये प्रावधान किसानों को समृद्ध व सशक्त बनाने की दिशा में कारगर साबित होंगे। इन कानूनों के विरोध में चलाया जा रहा आन्दोलन वास्तव में विपक्षी पार्टियों का राजनीतिक एजेंडा और खासकर वामपंथियों की पूर्व नियोजित साजिश है।

श्री चौधरी ने बताया कि पंजाब, हरियाणा में किसानों को धान व गेहूँ पर पहले से एमएसपी की व्यवस्था है जबकि सभी राज्यों में ऐसा नहीं है। इस कानून में एमएसपी समाप्त करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसी प्रकार कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग से उत्पाद के अनुबंध का प्रावधान है। इसमें जमीन के अनुबंध का कोई प्रावधान नहीं है बल्कि प्राकृतिक आपदा से फसल को होने वाला नुकसान किसान के बजाय व्यापारी कंपनी को उठाना होगा। उक्त प्रावधान किसानों के अनुकूल है लेकिन किसानों को भ्रमित कर बताया जा रहा है कि इससे आप लोगों की जमीनें सरकार के पास चली जायेंगी।

भाविप द्वारा भारत माता पूजन

भारत विकास परिषद की जयपुर महानगर शाखा ने 72वें गणतंत्र दिवस पर भारत माता की आरती का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्थानीय सेवा–सदन कार्यालय में रखा गया था। कार्यक्रम में भा.वि.परिषद के कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति गानों एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी आगन्तुकों को पौषबड़ा प्रसादी का वितरण किया गया। **रतनगढ़ स्थित श्री संचियालाल बैद माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर सहित प्रदेश के अनेक स्थानों से गणतंत्र दिवस मनाने के समाचार मिले हैं।**

समर्पण दिवस पर श्रद्धांजलि

पं.दीनदयाल उपाध्याय की 53वीं पुण्यतिथि (11फरवरी) को उनके जन्मस्थली धानक्या(जयपुर) में बने स्मारक पर बड़ी संख्या में लोगों ने पहुँचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पं.दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ.मोहनलाल छीपा ने बताया कि स्मारक स्थल पर प्रातः हवन, शांतिपाठ एवं भजनों का कार्यक्रम भी रखा गया था।

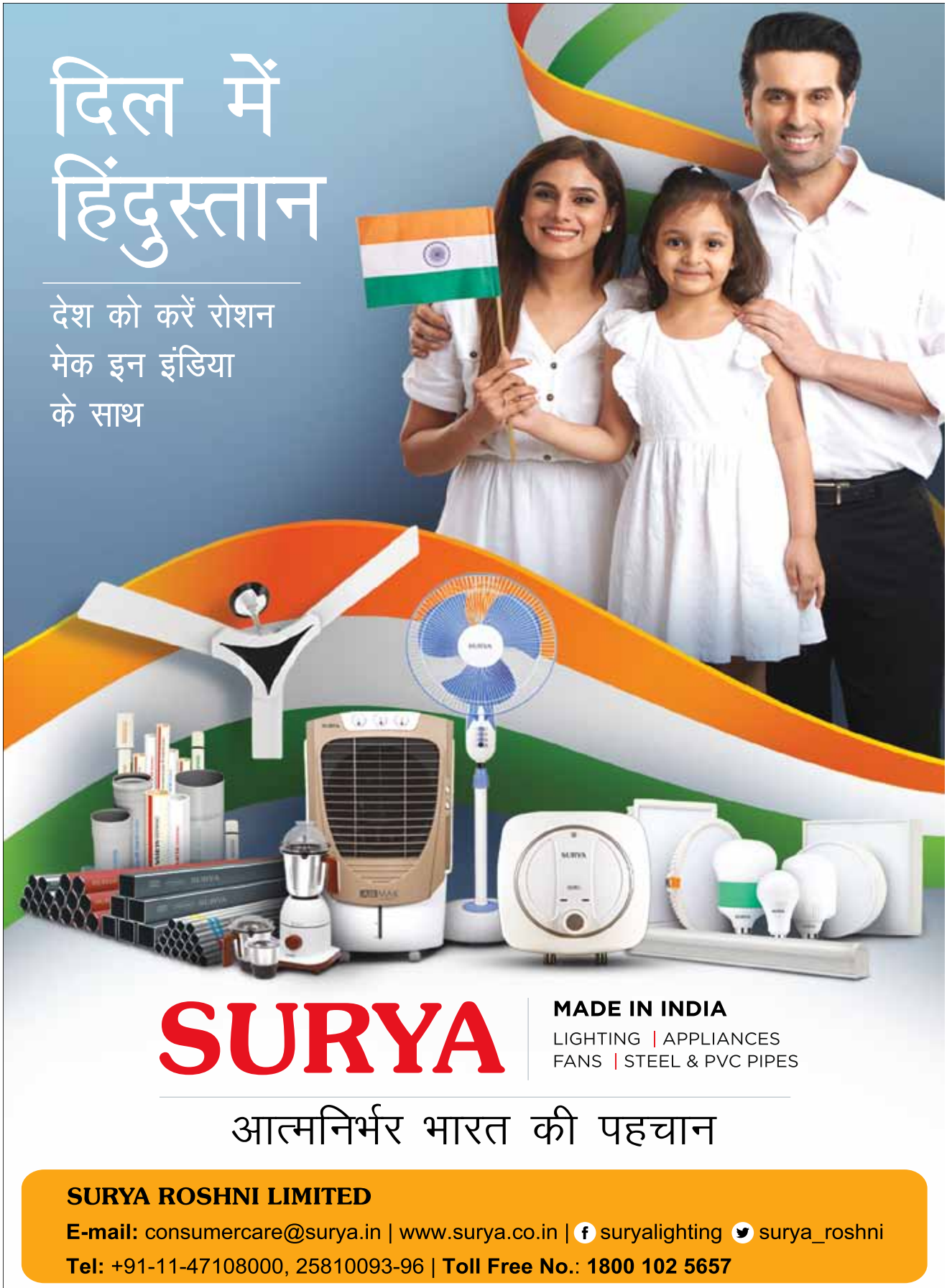
दिल में
हिंदुस्तान
देश को करें रोशन
मेक इन इंडिया
के साथ
SURYA
MADE IN INDIA
LIGHTING | APPLIANCES
FANS | STEEL & PVC PIPES
आत्मनिर्भर भारत की पहचान
SURYA ROSHNI LIMITED
E-mail: consumercare@surya.in | www.surya.co.in | suryalighting surya_roshni
Tel: +91-11-47108000, 25810093-96 | Toll Free No.: 1800 102 5657

राष्ट्रनायक सुभाष चन्द्र बोस

2

आलेख एवं चित्र
ब्रजराज रावत

बालक सुभाष पास ही खेल रहे लड़कों के समीप आते हैं जहाँ अंग्रेज बालक भी थे–

क्रमशः

पाक्षिक
पाथेय कण
16 फरवरी, 2021

आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2021-23

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/ WPP - 01/2021-23

जनजाति महिला बेन कड़वी ने उधार लेकर किया निधि समर्पण

पिपलोद के दिव्यांग राम भरोसे तथा उनकी पत्नी प्रकाशी जो देख नहीं पाती, ने भी खरीदे कूपन

उदयपुर की वनवासी महिलाएं समर्पण निधि कूपन लेते हुए

राज. के मुख्य सूचना आयुक्त एवं पू. मु.सचिव श्री बी.डी.गुप्ता अपनी समर्पण निधि (रु 1,11,111) श्री निम्बाराम (क्षेत्र प्रचारक) को सौंपते हुए

जनजातीय बन्धु राम मंदिर हेतु समर्पण निधि के कूपन लेते हुए

बालिका पूर्वी सोनी अपनी पेंटिंग की कमाई क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्री श्रीवर्धन को मंदिर हेतु सौंपते हुए

जयपुर के करधनी नगर में पाथेय कण के सह प्रबंध सम्पादक श्री ओमप्रकाश की उपस्थिति में निधि समर्पण करता एक परिवार। साथ में उपस्थित हैं पाथेय कण के मुकेश कुमार

पाथेय कण संस्थान की ओर से अध्यक्ष श्री गोविंद प्रसाद अरोड़ा रु.1,11,111 का चेक समर्पित करते हुए। चित्र में क्रमशः रमेश चन्द गुप्ता (सचिव) माणकचंद, गोविंद अरोड़ा, प्रदीप शेखावत, रामस्वरूप अग्रवाल, ओमप्रकाश एवं शुची चौहान

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक - रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19 व 20 फरवरी 2021 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,